



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 120]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 23, 1985/चैत्र 2, 1907

No. 120]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 23, 1985/CHAITRA 2, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय
(नागर विमानन विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1985

सा. का. नि. 292(अ):—यतः वायुयान नियम, 1937 में और संशोधन करने के लिए भारत सरकार पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय की दिनांक 19 मार्च, 1984 की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 359 द्वारा दिनांक 7 अप्रैल, 1984 की भारत के राजपत्र के भाग 2, खंड 3, उप-खंड (1) में कुछ प्रारूप नियम प्रकाशित किए गए थे जिनमें ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनमें प्रभावित होने की संभावना थी, आपत्तियां एवं सुझाव मांगे गये थे ;

और यतः उक्त राजपत्र की प्रतियां लोगों को 7 अप्रैल, 1984 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और यतः उक्त प्रारूप पर लोगों से कोई आपत्तियां/सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः अब, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार

एतद्वारा वायुयान नियम, 1937 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

- 1 (1) ये नियम वायुयान (द्वितीय संशोधन) नियम, 1985 कहलाएंगे ।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से लागू होगी ।
2. वायुयान नियम, 1937 की अनुसूची 2 में,
 - (1) खंड छ में,
 - (1) पैरा 1 में
 - (क) उप-पैरा (ग) में “विमान” शब्द के बाद “अथवा हेलिकाप्टर” शब्द जोड़े जाएंगे ।
 - (ख) उप-पैरा (घ) में खंड (1) के स्थान पर निम्नलिखित खंड जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

“(1) विमान अथवा हेलिकाप्टर के लिए चाल विमानचालक लाइसेंस धारक जैसा भी मामला हो” ।
 - (ग) उप-पैरा (ड) में, “विमान उड़ाना” शब्दों के बाद “अथवा एक हेलिकाप्टर जिसके संबंध में रेटिंग अपेक्षित हो” शब्दों को जोड़ा जाएगा ।

- (2) पैरा 4 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“4. उपकरण रेटिंग का विस्तार :—किमी अतिरिक्त प्रकार के विमान या हेलीकाप्टर को शामिल करने की दृष्टि से उपकरण रेटिंग का विस्तार करने के लिए आवेदक से यह अपेक्षा की जायेगी कि वह उस प्रकार के विमान अथवा हेलीकाप्टर के संबंध में निम्नलिखित उपकरण रेटिंग का विस्तार वांछित है जैसा कि पैरा-1 के खंड (ड) में निर्दिष्ट है, उड़ान परीक्षाओं को संतोषजनक रूप से पूरा करने का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा। ये उड़ान परीक्षण उपकरण रेटिंग के विस्तार के लिए आवेदन की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती 6 मास की अवधि में पूरा हो जाने चाहिए।”

- (3) पैरा 5 में, “उपकरण उड़ान नियमों के अधीन उस प्रकार के विमान” शब्दों के स्थान पर, “उपकरण उड़ान नियमों के अधीन उस प्रकार के विमान अथवा हेलीकाप्टर” शब्द जोड़े जाएंगे।

- (2) अनुभाग 8 में,

- (1) पैरा 4 में, उप-पैरा (ख) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा “ग” जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) उपकरण रेटिंग :—उपकरण रेटिंग, उपकरण उड़ान नियमों के अधीन धारक को उड़ान भरने का हकदार बनाती है। इस रेटिंग के जारी किए जाने के लिए चिकित्सीय योग्यता का स्तर और इतने अनुभाग (छ) में निर्दिष्ट हैं।”

- (2) पैरा 6 में, तीसरे उपबंध के स्थान पर निम्नलिखित उपबंध प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि चालू उपकरण रेटिंग के बिना उपकरण उड़ान नियमों के अधीन कोई उड़ान नहीं की जायेगी।”

- (3) अनुभाग “ड” में,

- (1) पैरा 4 में, उप-पैरा (ख) के बाद, निम्नलिखित उप-पैरा (ग) जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(ग) उपकरण रेटिंग—उपकरण रेटिंग, उपकरण उड़ान नियमों के अधीन धारक को उड़ान भरने का हकदार बनाती है। इस रेटिंग के जारी किये जाने के लिए इतने अनुभाग “छ” में निर्दिष्ट हैं।”

- (2) पैरा 6 में, द्वितीय उपबंध के स्थान पर निम्नलिखित उपबंध प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि समादेशक पाइलोट और सह-पाइलोट के रूप में उपकरण उड़ान नियमों के अधीन सभी उड़ानों के लिए यह अपेक्षा की जाएगी कि उनके पास चालू उपकरण रेटिंग हो।”

[फाइल संख्या ए बी 11012/6/83-ए]

जे. एन. कौल, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम 23 मार्च, 1937 को भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या बी-26 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

बाद में उनका संशोधन अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 711 दिनांक 3 मई, 1965 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION (Department of Civil Aviation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd March, 1985

G.S.R. 292(E).— Whereas certain draft rules further to amend the Aircraft Rules 1937 were published with the notification of Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. GSR 359 dated 19th March, 1984 in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 7th April, 1984 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 7th April, 1984;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act 1934 (22 of 1934) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Aircraft Rules 1937, namely :—

1. (1) These rules may be called the Aircraft (Second Amendment) Rules 1985.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Aircraft Rules, 1937, in Schedule II.

- (1) In Section G,

- (i) In para 1.

- (a) in sub-para (c) after the words “an aeroplane”, the words “or helicopter” shall be added.

- (b) In sub-para (d) for clause (i) the following clause shall be substituted namely :—

“(i) a holder of a current Pilot's Licence for aeroplanes or helicopters, as the case may be”.

- (c) sub-para (e), after the words “fly an aeroplane”, the words “or a helicopter in respect of which the rating is desired” shall be added.

- (ii) For para 4, the following para shall be substituted, namely :—

“4. Extension of Instrument Rating :— For extension of Instrument Rating to include an additional type of aeroplane or helicopter, an applicant shall be required to produce evidence of having satisfactorily completed the flight tests as laid down in clause (e) of preceding paragraph 1 in respect of the type of aeroplane or helicopter for which the extension of instrument rating is desired. The flying tests shall have been completed within a period of 6 months immediately preceding the date of application for extension of instrument rating”.

(iii) In para 5, for the words "Instrument Flying Rules the type of aeroplanes" the words "Instrument Flight Rules the types of aeroplanes or helicopters" shall be substituted.

(2) In Section L,

i) In para 4, after sub-para (b), the following sub-para (c) shall be added, namely :—

"(c) Instrument Rating :—Instrument Rating entitles the holder to fly under Instrument Flight Rules. The standard of medical fitness and conditions for issue of this rating are laid down in Section G".

(ii) In para 6, the third proviso shall be substituted by the following proviso, naemly :—

"Provided further that no flight is undertaken under Instrument Flight Ruels without a current Instrument Rating."

(3) In Section M,

(i) In para 4, after sub-para (b), the following sub-para (c) shall be added, namely :—

"(c) Instrument Rating:—Instrument Rating entitles the holder to fly under Instrument Flight Rules. Conditions for issue of the rating are laid down in Section "G".

(ii) In para 6, the second proviso shall be substituted by tht following proviso, naemly :—

"Provided further that for all flights under Instrument Flight Rules as a Pilot-in-Command or as a Co-pilot, he shall be required to have current Instrument Rating".

[File No. AV.11012|6|83-A]

J. N. KAUL, Jt. Secy.

FOOT NOTE.—Principal Rules published vide Notification No. V-26 in the Gazette of India on 23rd March, 1937.

Subsequently amended by Notification No. GSR 711 dated 3rd May, 1965.

